

केरल का त्योहार – ओणम

प्रीती उदयभानु, कुशल सहायक कर्मचारी

केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोचीन, केरल

ओणम केरल में प्राचीन काल से मनाया जा रहा है और अब राष्ट्रीय त्योहार के रूप में मनाया जाता है। ओणम केरल के सबसे लोकप्रिय त्योहारों में से एक है। यह जाति और धर्म के बावजूद सभी समुदायों को एकजुट करता है। ओणम एक फसल त्योहार है और आमतौर पर ऋतु में, जो कि अगस्त और सितंबर के बीच मनाया जाता है। मलयालम कैलेंडर के अनुसार वर्ष का प्रथम महीना है जिसे 'चिंगम' कहा जाता है। केरल के लोग दस दिन ओणम मनाते हैं। पहला दिन 'अत्तम' और दसवां दिन 'तिरुवोणम' है।

ओणम त्योहार के पीछे एक पौराणिक कथा है। पुराने ज़माने में केरल में एक दानव राजा शासन करते थे, जिनका नाम था महाबली। वे बहुत अच्छा राजा था और लोग उन्हें बहुत प्यार और आदर करते थे। एक दानव राजा के इस तरह शांतिपूर्ण और संतोषपूर्ण शासन देखकर इंद्र ने सोचा कि उनका स्थान महाबली के नीचे हो जाएगा। इस चिंता से इंद्र ने भगवान महाविष्णु के पास जाकर इस पर बात की और राजा महाबली की लोकप्रियता कम करने का निर्णय लिया। इसके अनुसार महाविष्णु का वामन नामक अवतार का जन्म हुआ



तिरुवातिरा कली



पूवकलम प्रतियोगिता



ओणासद्या का दृश्य

और वामन एक दिन महाबली से मिलने गया। वामन ने महाबली से तीन वर मांगे। महाबली ने तीनों वर देने के लिए तैयार थे। इसके अनुसार वामन ने पहले वर के रूप में भूमि प्रदान करने को मांगा तो महाबली ने भूमि प्रदान की। वामन ने दूसरे वर के रूप में आकाश मांगा, तो महाबली ने आकाश प्रदान किया और तीसरे वर के रूप में पाताल भी मांगा, तब वामन को पैर रखने के लिए महाबली ने अपना सिर छुका दिया। वामन ने महाबली के सिर पर पैर रखकर उन्हें पाताल भेजा, जाते वक्त उन्होंने कहा कि वर्ष में एक दिन अपनी प्रजा से मिलने के लिए आ सकते हैं। इस तरह महाबली अपनी प्रजा से मिलने का दिवस है ओणम। के लिए आ सकते हैं। इस तरह महाबली अपनी प्रजा से मिलने का दिवस है ओणम।

ओणम के अवसर पर राजा महाबली का स्वागत करने के लिए सारे लोगों के साथ प्रकृति और मौसम भी तैयार हो जाते हैं। इस समय केरल का वातावरण गीत-संगीत, फल-फूल और विभिन्न प्रकार के खेलों और खुशियों से संपन्न होता है। पूरे दस दिन सभी घरों के आंगन में विविध प्रकार के फूलों से रंगोली सजायी जाती है, इसे मलयालम में 'पूवकलम' कहा जाता है। राजा महाबली का स्वागत करने के लिए लोग अपने घर के सामने दस दिनों तक विभिन्न प्रकार के पूवकलम बनाते हैं। पहला दिन पूवकलम का आकार छोटा होता है। पूवकलम का आकार ओणम त्योहार के प्रत्येक दिन 'तिरुवोणम' में सबसे बड़ा होता है। स्कूलों, कॉलेजों, कार्यालयों आदि में पूवकलम की प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं। ओणम त्योहार पूवकलम के बिना अधूरा है।



ओणम का नृत्य

तिरुवोणम के दिन में सभी देशवासी नए सुंदर कपड़े पहनते हैं और ओणम बहुत उल्लास और खुशी के साथ मनाते हैं। विविध प्रकार के पूक्कलम, नौका दौड़ (Boat race), महिलाओं और पुरुषों के विविध खेल ओणम समारोह के प्रमुख आकर्षण हैं। इन सब के अतिरिक्त ओणसद्या भी बहुत मशहूर है। ओणम के दिन में कई तरह की व्यंजनों और खीर के साथ केले के पत्ते में घर के सभी सदस्य एक साथ भोजन करते हैं, इसे ओणसद्या कहा जाता है।

रंगों और खुशियों का उत्सव 'ओणम' परिवार के सदस्यों और दोस्तों को एक साथ लाता है। लोग अपने निकट और प्रियजनों के साथ शुभकामनाएं बांटते हैं और अच्छी इच्छाएं फैलाते हैं। केरल से नौकरी के लिए विदेशों में रहने वाले प्रवासी लोग परिवार के साथ हर वर्ष ओणम

मनाने और घर वालों से मिलने हेतु केरल आते हैं। इसलिए हम कह सकते हैं कि परिवार के लिए एक-दूसरे के साथ बंधन का सही समय है ओणम।

सी एम एफ आर आइ में ओणम समारोह

हमारे संस्थान में हर वर्ष विविध प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों के साथ ओणम मनाया जाता है। संस्थान के सभी प्रभागों और अनुभागों के बीच आयोजित की जाने वाली पूक्कलम प्रतियोगिता में सभी कर्मचारी बड़ी उत्सुकता और स्पर्धा से भाग लेते हैं। इसी तरह महिलाओं का नृत्य है 'तिरुवातिरा कली'। उसी दिन संस्थान के सभी कार्मिक केले के पत्ते में मध्याह्न भोजन 'ओणासद्या' करते हैं और भोजन के बाद कई तरह के खेल भी आयोजित किए जाते हैं। संस्थान में बड़ी खुशी का दिन है ओणम।



पुरुषों का रस्साकशी खेल